# बिहार विधान परिषद्

## 185वां सत्र

## अल्पसूचित प्रश्न

## वर्ग – 2

**मंगलवार, तिथि** 30 फाल्गुन, 1938 (श.)
21 मार्च, 2017 ई.

**प्रश्नों की कुल संख्या – 12**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वास्थ्य विभाग | - | - | 10 |
| 2. | ऊर्जा विभाग | - | - | 01 |
| 3. | उद्योग विभाग | - | - | 01 |
| | | | कुल योग – | 12 |

## दलालों पर कार्रवाई

147. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला अंतर्गत सदर अस्पताल में गर्भवती महिलाओं का सिजेरीयन नहीं किया जाता है तथा वहां पर दलालों एवं अनधिकृत रूप से प्रसव कक्ष में एक साथ कई ममता रहती है, जिनके माध्यम से प्राइवेट नर्सिंग होमों में भेजवाने के एवज में प्रति प्रसूता 2000-2500 रु. दलाली के रूप में प्राइवेट नर्सिंग होमों के संचालकों से लिया जाता है ताकि इन रुपयों की भरपाई परिजनों को विभिन्न प्रकार की जांच के माध्यम से अवैध रूप से कराया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि दिनांक 18 अप्रैल, 2016 को ढाका की सुपन देवी नाम की महिला सदर अस्पताल में प्रसव से कराह रही महिला को नर्स, ममता तथा दलालों के माध्यम से प्राइवेट नर्सिंग अस्पताल में सिजेरियन के नाम पर भेज दिया गया;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार 18 अप्रैल, 2016 को जो नर्स ड्यूटी पर थी तथा महिला डॉक्टर, ममता एवं अवैध दलालों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

---

## डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति

148. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** एवं **श्री संजीव श्याम सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला डुमरिया प्रखंड अंतर्गत मैगरा स्वास्थ्य उपकेन्द्र में वर्षों से डॉक्टर प्रतिनियुक्त रहने के बाद भी बंद पड़ा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर के नहीं बैठने से ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वैसे प्रतिनियुक्त डॉक्टर जो कभी उप स्वास्थ्य केन्द्र में बैठते ही नहीं, उनके विरुद्ध कार्रवाई करते हुए किसी दूसरे डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

---

## जांचोपरान्त कार्रवाई

149. **श्री मंगल पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार बिहार लिंगानुपात के मामले में 25वें स्थान पर है, जबकि राष्ट्रीय औसत प्रति हजार पुरुष पर 940 महिला है, भ्रूण हत्या रोकने के लिए सरकार ने भ्रूण परीक्षण की जांच कराने के लिए सभी अल्ट्रासाउंड केन्द्रों पर शिकंजा कसने का आदेश 2015 में दिया था;

(ख) क्या यह सही है कि पूरे बिहार में 2020 अल्ट्रासाउंड केन्द्र हैं, यहां भ्रूण का परीक्षण किया जाता है तथा कुछ जांच केन्द्रों पर जांच में कन्या की जानकारी देने पर उसकी हत्या कर देने का धंधा जोरों पर चल रहा है, इसी आशय को लेकर सरकार ने सभी अल्ट्रासाउंड केन्द्रों पर शिकंजा कसने का आदेश दिया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार भ्रूण हत्या को रोकने के लिए जिन अल्ट्रासाउंड केन्द्रों पर इस तरह की जांच करायी जाती है तथा परीक्षण कर भ्रूण हत्या का धंधा जोरों पर हो रहा है, उन अल्ट्रासाउंड केन्दों की जांच करा कर सरकार कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

---

## नियमित नियुक्ति

150. **प्रो. नवल किशोर यादव** एवं **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में आयुष मिशन का गठन हो गया है, किन्तु विगत कई वर्षों से नये आयुष चिकित्सकों की नियमित बहाली बाधित है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के रेफरल अस्पताल/जिला अस्पतालों में कुल 402 आयुष चिकित्सकों के पद सृजित हैं तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/राजकीय औषधालयों में आयुष चिकित्सकों के 412 पद हैं, जिसमें 324 कार्यरत हैं और 45 रिक्त हैं, फिर भी इसके विरुद्ध विभागीय उदासीनता के कारण इन सृजित एवं रिक्त पदों पर डॉक्टरों की बहाली नहीं की जा रही है जिससे मरीज, अंग्रेजी दवाओं के सेवन के लिए विवश हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त वर्णित स्थिति में सृजित एवं रिक्त पदों पर आयुष चिकित्सकों की नियमित नियुक्ति करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

---

## अनियमितता की जांच

151. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि उत्तर बिहार का सबसे बड़ा चिकित्सा संस्थान डी.एम.सी.एच. है;

(ख) क्या यह सही है कि डी.एम.सी.एच. के डायट विभाग के मनमानी के कारण भोजन योजना का मीनू चार्ट उपलब्ध नहीं कराया जाता है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त अस्पताल में आहार योजना में काफी अनियमितता हो रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डायट विभाग में हो रही अनियमितता की जांच कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

---

## व्यवस्था सुनिश्चित

152. **श्री लाल बाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार में निबंधित से अधिक निबंधनरहित अस्पताल की संख्या है;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग को निबंधित एंव निबंधनरहित अस्पताल की संख्या का विवरण उपलब्ध नहीं है;

(ग) क्या यह सही है कि निजी अस्पतालों में मरीजों से काफी फीस की उगाही की जाती है;

(घ) क्या यह सही है कि गरीब मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने में असमर्थ रहते हैं;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बिहार में निबंधनरहित अस्पतालों की जांच कर उन्हें निबंधित कराते हुए गरीबों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करना चाहती है, नहीं तो क्यों?

---

## विभागीय कार्रवाई

153. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिले के सिविल सर्जन के द्वारा लाखों रुपयों की दवाओं के क्रय में अधिकांश दवाएं नकली पाई गई हैं;

(ख) क्या यह सही है कि नकली दवा क्रय के आरोप में अबतक उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त सिविल सर्जन पर नकली दवा के क्रय के साथ-साथ अन्य कई प्रकार की वित्तीय अनियमितता का भी आरोप है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नकली दवाओं के क्रय एवं अन्य वित्तीय अनियमितता करने वाले उक्त पदाधिकारी को निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई चलाना चाहती है?

---

## खर्चों पर नियंत्रण

154. **श्री विनोद नारायण झा** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार राज्य पावर होल्डिंग कॉरपोरेशन के सृजन के पश्चात् यह कंपनी लगभग 5 हजार करोड़ रुपये के घाटे में चल रही है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त कम्पनी के अनुत्पादक खर्चों पर नियंत्रण लाकर घाटे को रोकने हेतु कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

---

## स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण

155. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत घोसवरी प्रखंड मुख्यालय में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पूर्व में सृजित स्वास्थ्य उप केन्द्र के जर्जर भवन में चल रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार ऊपर वर्णित स्वास्थ्य उप केन्द्र को तोड़कर नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

---

**बेरोजगारों को रोजगार**

156. **श्री सूरज नंदन प्रसाद** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार में नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद राज्य में 5500 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना के तहत 109 निवेश के प्रस्तावों की मंजूरी दी गई है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बताना चाहती है कि वित्तीय वर्ष वर्ष 2016-17 में अभी तक किन-किन सेक्टर में कितने का निवेश किया गया है तथा इससे कितने बेरोजगारों को रोजगार मिला है?

---

**समुचित उपचार**

157. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला अंतर्गत नेउरा स्वास्थ्य केन्द्र में घोर अनियमितताएं बरती जा रही हैं, इस स्वास्थ्य केन्द्र में ना ही डॉक्टर समय पर उपलब्ध होते हैं और ना ही कर्मचारी;

(ख) क्या यह सही है कि नेउरा स्वास्थ्य केन्द्र में सफाईकर्मी होने के बावजूद भी सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है, परिसर में स्थित स्वास्थ्य केन्द्र भवन के ठीक बगल में खाली जमीन डस्टबीन बन गया है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में चहारदीवारी नहीं होने के कारण इसके परिसर में जानवर घूमते रहते हैं तथा आसपास के लोगों का पार्किंग स्थल बन गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नेउरा स्वास्थ्य केन्द्र में बरती जा रही अनियमितता पर अंकुश लगाने तथा स्वास्थ्य केन्द्र में जनता के लिए समुचित उपचार व्यवस्था उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

---

## चिकित्सकों की नियुक्ति

158. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि श्रीकृष्ण चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, मुजफ्फरपुर आधारभूत संरचनाओं से परिपूर्ण उत्तर बिहार का प्रतिष्ठित अस्पताल है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त अस्पताल 637 बेड का उत्तर बिहार का सबसे बड़ा अस्पताल है;

(ग) क्या यह सही है कि आधारभूत संरचनाओं से सम्पन्न होने के बावजूद उक्त अस्पताल में चिकित्सकों के काफी संख्या में पद रिक्त हैं, जिससे मरीजों का चिकित्सकों के अभाव में समुचित इलाज नहीं हो पाता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त अस्पताल में स्वीकृत पद के अंतर्गत चिकित्सकों की नियुक्ति कबतक करना चाहती है?

---

**सुनील कुमार पंवार**
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 21 मार्च, 2017